समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

कोलकाता मे ED की बड़ी कार्रवाई : रियल एस्टेट कारोबारी 'सोना पप्पू' पर मनी लॉन्ड्रिंग का शिकंजा

Sanket Morankar
Published on 01 Apr 2026

पश्चिम बंगाल की राजधानी Kolkata में प्रवर्तन निदेशालय यानी Enforcement Directorate (ED) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चर्चित रियल एस्टेट कारोबारी 'सोना पप्पू' के ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध वित्तीय लेन-देन के आरोपों के तहत की गई है। ED की इस छापेमारी से शहर के रियल एस्टेट सेक्टर में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों के मुताबिक, ED की टीम ने कोलकाता और आसपास के इलाकों में एक साथ कई स्थानों पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकदी, दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और संदिग्ध लेन-देन से जुड़े साक्ष्य बरामद किए गए हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर अब जांच एजेंसी पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी हुई है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, 'सोना पप्पू' पर आरोप है कि उन्होंने रियल एस्टेट कारोबार के जरिए बड़ी मात्रा में काले धन को सफेद करने का काम किया। यह भी आरोप है कि कई प्रोजेक्ट्स में फर्जी कंपनियों के माध्यम से निवेश दिखाया गया, ताकि अवैध कमाई को वैध बनाया जा सके।

ED को इस मामले में कुछ समय पहले ही इनपुट मिले थे, जिसके बाद वित्तीय लेन-देन की गहन जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में कई संदिग्ध ट्रांजैक्शन सामने आए, जिसके आधार पर छापेमारी की कार्रवाई की गई।

सूत्रों का कहना है कि इस पूरे मामले में करोड़ों रुपये के लेन-देन का संदेह है। कई बैंक खातों, शेल कंपनियों और बेनामी संपत्तियों के जरिए पैसे को इधर-उधर घुमाने की कोशिश की गई। ED अब इन सभी लिंक को जोड़कर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने की तैयारी में है।

छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों में कई ऐसे नाम भी सामने आए हैं, जो इस नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि अभी तक आधिकारिक रूप से किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है।

ED की टीम ने कार्रवाई के दौरान लैपटॉप, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क और कई महत्वपूर्ण फाइलें जब्त की हैं। इन डिजिटल सबूतों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी, जिससे यह पता लगाया जा सके कि मनी लॉन्ड्रिंग का पूरा नेटवर्क कैसे काम कर रहा था।

जांच एजेंसी का मानना है कि इन सबूतों के जरिए कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं, जिससे इस मामले की जड़ तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

ED इस मामले में Prevention of Money Laundering Act (PMLA) के तहत जांच कर रही है। अगर आरोप साबित होते हैं, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें संपत्तियों की जब्ती और गिरफ्तारी भी शामिल है।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में ED की जांच काफी व्यापक होती है और इसमें शामिल लोगों को लंबे समय तक कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है।

इस कार्रवाई के बाद कोलकाता के रियल एस्टेट सेक्टर में हलचल मच गई है। कई कारोबारी अब अपने वित्तीय लेन-देन को लेकर सतर्क हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ेगी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

फिलहाल ED की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। एजेंसी जल्द ही संबंधित लोगों से पूछताछ भी कर सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि आर्थिक अपराधों के खिलाफ सरकार और जांच एजेंसियां सख्त रुख अपना रही हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.